सफलता की कहानी कृषक की जुबानी

नाम कृषक– शिशपाल भारती
गॉव–विगंसारी, पो0ओ0 गडूगाड
तहसील–मोरी, उत्तरकाशी।

आज से 20 साल पूर्व कृषकों की उन्नति के बारे में पढा जिससे कि मुझे कृषि करने की इच्छा लगने लगी फिर मेरे मन में विचार आयें कि कृषि करने के लिये कौन सी फसल सफलता तक पहुॅचाएगी। इसमें सेब उगाना अच्छा व्यवसाय है और मैने हिमाचल से पौधों की अच्छी जानकारी और पौधे लायी, फिर एक अच्छा सा बाग लगाया। जिसमें 350 पौधें मेरे पास लग चुके है और हर व्यक्ति से जानकारी ली, दिन प्रतिदिन केन्द्र से हर प्रकार की दवाईयॉ भी लेनी शुरू की तथा हर प्रकार के सेब के पौधें भी लेते रहा। जो कि हमारा मार्ग दर्शन केन्द्र बना है। इस केन्द्र के बलबूत में आज अपने लगाये पौधों से फसल भी निकालना शुरू कर रहा हॅू लेकिन दवाईयॉ और सेब के लिए रोड़ करीब 7 किमी0 की दूरी पर है यह हमारे लिए काफी परेशानी है की समय पर नहीं मिल पाते है। इसलिए कई दिन रोड पर पहॅुचाने के लिये लगते है और फिर मण्डी पहॅुचने तक सेब काफी खराब हो जाते थे, जिससे लाभ प्रतिशत में अत्यधिक कमी हो जाती थी। लेकिन **उद्यान केन्द्र, मोरी** से सही समय पर सही जानकारी प्राप्त कर समय से सेव को बाजार में बेचकर रू0 3,00,000/ प्रतिवर्ष कमा रहा हॅू, इस हर प्रकार की जानकारी प्राप्त करने से मैं आज सेब की फसल से ही जीवन यापन कर रहा हॅू।

शिशपाल भारती
गॉव–विगंसारी, पो0ओ0 गडूगाड
तहसील–मोरी, उत्तरकाशी।